भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1144** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025/3 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

उत्तर प्रदेश में अंतर्देशीय जल परिवहन विकास

†1144. श्री शशांक मणि:

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने व्यापार के लिए बंदरगाह अवसंरचना और संपर्क बढ़ाने हेतु सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में कोई विशिष्ट परियोजनाएं शुरू की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उनकी स्थिति और अपेक्षित आर्थिक प्रभाव क्या है;

(ख) क्या सरकार उत्तर प्रदेश में प्रमुख नदियों के किनारे विशेषरूप से अंतर्देशीय जल परिवहन विकास से संबंधित विशेष रूप से अवसंरचना नौवहन और स्थिरता के संबंध में किसी चुनौती का समाधान कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की इन जिलों में क्षेत्रीय संपर्क और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को बढ़ावा देने की योजना है और यदि हां, तो समय-सीमा, निवेश और स्थानीय आबादी के लिए अपेक्षित लाभ सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): आईडब्ल्यूएआई द्वारा अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) विकास के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का स्थिति सहित विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है। इसके आर्थिक प्रभाव में परिवहन के सहायक माध्यम का निर्माण, कम की गई लॉजिस्टिक लागत, नदी क्रूज पर्यटन को बढ़ावा और कम कार्बन उत्सर्जन शामिल है।

(ख): अंतर्देशीय जल परिवहन में सामने आने वाली मुख्य चुनौती फेयरवे और टर्मिनल अवसंरचना की उपलब्धता से संबंधित है, जिसका समाधान सरकार ने ड्रेजिंग/ बैंडलिंग और जेट्टियों का निर्माण करके किया है।

(ग): आईडब्ल्यूएआई ने उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में वाराणसी मल्टी- मॉडल टर्मिनल के निकट, लॉजिस्टिक्स हब अर्थात् फ्रेट विलेज के विकास के लिए 75 एकड़ भूमि अधिग्रहित की है। फ्रेट विलेज, से लॉजिस्टिक्स और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार सृजन, बेहतर भंडारण और परिवहन के माध्यम से स्थानीय एमएसएमई और किसानों को सहायता, शहर की सड़कों पर भीड़-भाड़ कम करने सहित बहुत से लाभ प्राप्त होते है।

अनुबंध-I

उत्तर प्रदेश में आईडब्ल्यूटी परियोजनाएँ

उत्तर प्रदेश में पूरी की गई परियोजनाएँ

क्रम सं.	उप परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1.	वाराणसी में मल्टीमॉडल टर्मिनल का विकास	182.33
2.	उत्तर प्रदेश में वाराणसी, चंदौली, गाज़ीपुर और बलिया में 11 सामुदायिक जेट्टियों का विकास	17
3	रा.ज.-40 (घाघरा नदी) पर अयोध्या, उत्तर प्रदेश में 2 जेटियाँ स्थापित की गईं	4
4	वाराणसी और अयोध्या में 2 इलेक्ट्रिक कैटामारन लगाए गए	25.6
5	वाराणसी में 1 हाइड्रोजन ईंधन सेल जलयान	22.62
	उप-जोड़	251.55

उत्तर प्रदेश में चल रही परियोजनाएँ

क्रम सं.	उप परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1.	फेयरवे विकास मझौवा-गाजीपुर	78.64
2	उत्तर प्रदेश में बलिया और गाज़ीपुर में 4 स्टील सामुदायिक जेट्टी का विकास	7.82
3	उत्तर प्रदेश में ग़ाज़ीपुर से वाराणसी तक फ़ेयरवे विकास	102.98
4.	मथुरा में यमुना नदी पर आईडब्ल्यूटी जेटी का विकास (6 स्थापित; 2 जेट्टी का कार्य प्रगति पर)	12.00
5.	अयोध्या और मथुरा परियोजनाएँ - गुप्तारघाट (रा.ज.-40) और नयाघाट एवं जुगल किशोर घाट - गोकुल बैराज (रा.ज.-110) के बीच मात्रा आधारित ड्रेजिंग	8.45
6.	वाराणसी में रिवर क्रूज़ टर्मिनल का विकास	200
7.	वाराणसी में क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र का विकास	150
8.	पोत मरम्मत सुविधा का विकास	50

*****